व्यावसायिक अध्ययन

BUSINESS STUDIES

CLASS XI

Strictly according to the latest syllabus prescribed by Central Board of Secondary Education (CBSE), Delhi and State Boards of Bihar, Jharkhand, Uttarakhand, Rajasthan, H.P., Haryana & Navodaya, Kendriya Vidyalayas etc. following CBSE curriculum based on NCERT guidelines

Revised According to Companies Act, 2013 and Companies (Share Capital and Debentures) Rules, 2014 and also Companies (Amendment) Act, 2015

भाग अ : व्यवसाय के आधार

भाग ब : निगमित संगठन, वित्त एवं व्यापार

NCERT की पाठ्यपुस्तक के सभी प्रश्न, हल सहित
तथा नवीनतम् परीक्षा योजना एवं अंक विभाजन पर आधारित

डॉ. एस. के. सिंह
एम. कॉम., पी-एच. डी.
राष्ट्रीय गौरव अवार्ड से सम्मानित

संजय गुप्ता
एम. कॉम., एम. फिल्.

संशोधित संस्करण

SBPD PUBLICATIONS

एस बी पी डी पब्लिकेशन्स

विषय-सूची

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

भाग 'अ' : व्यवसाय के आधार

[Part A : Foundations of Business]

इकाई 1 : व्यवसाय की प्रकृति एवं उद्देश्य

[Unit 1 : Nature and Purpose of Business]

1. **व्यवसाय की प्रकृति एवं उद्देश्य** 1—33

[Nature and Purpose of Business]

[I. **मानवीय क्रियाएँ—अर्थ, प्रकार, क्रियाओं को आर्थिक व अनार्थिक श्रेणियों में रखने का आधार, आर्थिक एवं अनार्थिक क्रियाओं में अन्तर;** II. **व्यवसाय—अर्थ एवं परिभाषाएँ;** III. **व्यवसाय की अवधारणा—प्राचीन एवं आधुनिक;** IV. **व्यवसाय की विशेषताएँ;** V. **व्यवसाय की प्रकृति;** VI. **पेशा—अर्थ, परिभाषाएँ एवं विशेषताएँ, व्यवसाय तथा पेशा में अन्तर;** VII. **रोजगार—अर्थ एवं परिभाषाएँ, विशेषताएँ, व्यवसाय तथा रोजगार में अन्तर, व्यवसाय, पेशा तथा रोजगार में अन्तर;** VIII. **व्यवसाय के उद्देश्य;** IX. **व्यावसायिक जोखिम—अर्थ एवं परिभाषाएँ;** X. **व्यावसायिक जोखिम की प्रकृति;** XI. **व्यावसायिक जोखिम के कारण;** XII. **व्यवसाय में लाभ की भूमिका एवं** XIII. **क्या अधिकाधिक लाभ कमाना व्यवसाय का उद्देश्य है?** I Question-Answer Box I **आपने इस अध्याय में जो सीखा I उपयोगी प्रश्न I** Typology of Questions I **प्रोजेक्ट कार्य I**]

2. **व्यावसायिक क्रियाओं का वर्गीकरण** 34—49

[Classification of Business Activities]

[**व्यावसायिक क्रियाएँ—**(I) **उद्योग—अर्थ एवं परिभाषा एवं उद्योग के प्रकार;** (II) **वाणिज्य— अर्थ एवं परिभाषा, वाणिज्य के अंग (अ) व्यापार—अर्थ एवं परिभाषाएँ एवं प्रकार, (ब) व्यापार की सहायक क्रियाएँ एवं** (III) **व्यापार, वाणिज्य तथा उद्योग में अन्तर I** I Question-Answer Box I **आपने इस अध्याय में जो सीखा I उपयोगी प्रश्न I** Typology of Questions]

इकाई 2 : व्यावसायिक संगठन के प्रारूप

[Unit 2 : Forms of Business Organisations]

3. **व्यावसायिक संगठनों के प्रारूप—एकाकी स्वामित्व अथवा एकाकी व्यापार** 50—67

[Forms of Business Organisations—Sole Proprietorship or Sole Trade]

[**व्यावसायिक संगठन के प्रारूप—अर्थ एवं प्रकार I** I. **एकाकी स्वामित्व अथवा व्यापार—उद्गम, अर्थ, परिभाषाएँ, लक्षण अथवा विशेषताएँ;** II. **एकाकी स्वामित्व पर वैधानिक प्रतिबन्ध अथवा एकाकी व्यापार की वैधानिक स्थिति;** III. **एकाकी स्वामित्व अथवा व्यापार का मूल्यांकन—गुण-अवगुण अथवा लाभ-दोष अथवा सीमाएँ;** IV. **व्यापार के विकास में साझेदार सहायक हैं अथवा कर्मचारी;** V. **एक व्यक्ति का नियन्त्रण विश्व में सर्वश्रेष्ठ है यदि वह व्यक्ति इतना सामर्थ्यवान है कि सभी बातों का प्रबन्ध स्वयं ही कर सकता है?** VI. **क्या एकाकी व्यापार असभ्य युग का अवशेष है? I** Question-Answer Box I **आपने इस अध्याय में जो सीखा I उपयोगी प्रश्न I**

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

Typology of Questions । **प्रोजेक्ट कार्य ।**]

4. **संयुक्त हिन्दू पारिवारिक (परिवार) व्यवसाय** 68—77

[Joint Hindu Family Business]

[I. **संयुक्त हिन्दू पारिवारिक व्यवसाय का अर्थ;** II. **संयुक्त हिन्दू पारिवारिक व्यवसाय के संगठन का विभाजन;** III. **संयुक्त हिन्दू पारिवारिक व्यवसाय के लक्षण अथवा विशेषताएँ;** IV. **संयुक्त हिन्दू पारिवारिक व्यवसाय के गुण-दोष ।**

। Question-Answer Box । **आपने इस अध्याय में जो सीखा । उपयोगी प्रश्न ।** Typology of Questions । **प्रोजेक्ट कार्य ।**]

5. **साझेदारी** 78—101

[Partnership]

[I. **साझेदारी का उद्गम अथवा प्रादुर्भाव;** II. **साझेदारी का अर्थ एवं परिभाषाएँ;** III. **साझेदारी के लक्षण अथवा विशेषताएँ;** IV. **साझेदारी का मूल्यांकन—गुण-अवगुण;** V. **अवैध साझेदारी;** VI. **साझेदारी के भेद अथवा प्रकार;** VII. **साझेदारी तथा एकाकी व्यापार में अन्तर;** VIII. **साझेदारी तथा संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय में अन्तर;** IX. **साझेदारों के भेद;** X. **क्या एक अवयस्क फर्म में साझेदार बन सकता है?** XI. **साझेदारी फर्म का गठन अथवा निर्माण—साझेदारी संलेख अथवा समझौता—अर्थ एवं परिभाषा, आवश्यकता एवं संलेख में लिखी जाने वाली बातें;** XII. **साझेदारी फर्म का पंजीयन—अर्थ, विधि, फर्म का पंजीयन न कराने का प्रभाव एवं पंजीयन से लाभ ।।**

Question-Answer Box । **आपने इस अध्याय में जो सीखा । उपयोगी प्रश्न ।** Typology of Questions । **प्रोजेक्ट कार्य ।**]

6. **सहकारी समितियाँ** 102—113

[Co-operative Societies]

[I. **सहकारी समिति का अर्थ एवं परिभाषाएँ;** II. **सहकारी समिति की विशेषताएँ अथवा लक्षण;** III. **सहकारी समितियों के प्रारूप अथवा भेद;** IV. **सहकारी समितियों का मूल्यांकन;** V. **सहकारी समितियों की सीमाएँ,** VI. **भारत में सहकारी समितियों का भविष्य ।।** Question-Answer Box । **आपने इस अध्याय में जो सीखा । उपयोगी प्रश्न ।** Typology of Questions । **प्रोजेक्ट कार्य ।**]

7. **कम्पनी/संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी** 114—133

[Company/Joint Stock Company]

[I. **संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी का अर्थ एवं परिभाषाएँ;** II. **कम्पनी की विशेषताएँ अथवा लक्षण;** III. **कम्पनियों के प्रकार अथवा वर्गीकरण;** IV. **निजी एवं सार्वजनिक कम्पनियों में अन्तर;** V. **सहकारी समिति एवं संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी में अन्तर;** VI. **कम्पनी का मूल्यांकन अथवा संयुक्त पूँजी वाली कम्पनी के गुण-दोष एवं** VII. **व्यावसायिक संगठन के विभिन्न प्रारूपों में अन्तर ।**

। Question-Answer Box । **आपने इस अध्याय में जो सीखा । उपयोगी प्रश्न ।** Typology of Questions । **प्रोजेक्ट कार्य ।**]

8. **कम्पनी का निर्माण** 134—153

[Formation of a Company]

[I. **कम्पनी का प्रवर्तन—अर्थ एवं परिभाषाएँ;** II. **प्रवर्तन की अवस्थाएँ;** III. **संयुक्त पूँजी वाली**

अध्याय पृष्ठ-संख्या

कम्पनी का निर्माण अथवा समामेलन—समामेलन का अर्थ एवं समामेलन की विधि; कम्पनी के निर्माण अथवा समामेलन की अवस्थाएँ— (I) कम्पनी का प्रवर्तन, (II) कम्पनी का पंजीयन अथवा समामेलन एवं (III) व्यापार का प्रारम्भ; IV. कम्पनी के समामेलन या निर्माण में प्रयुक्त प्रमुख प्रलेख—(I) पार्षद सीमानियम—अर्थ एवं परिभाषाएँ, पार्षद सीमानियम में दी जाने वाली बातें (Contents), (II) पार्षद अन्तर्नियम—अर्थ एवं परिभाषा, पार्षद अन्तर्नियम में दी जाने वाली बातें (Contents), (II)A. पार्षद सीमानियम तथा पार्षद अन्तर्नियम में अन्तर, (II) B. तालिका 'फ' अथवा सारणी 'फ'; (III) प्रविवरण—अर्थ एवं परिभाषा, प्रविवरण में दी जाने वाली बातें (Contents), (III) A. शेल्फ प्रविवरण एवं रैड-प्रविवरण अर्थ एवं अवधारणा।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न। Typology of Questions। प्रोजेक्ट कार्य।]

9. व्यावसायिक संगठनों के प्रारूप का चयन तथा व्यवसाय का प्रारम्भ 154—163

[Choice of Form of Business Organisations and Starting a Business]

[I. व्यावसायिक संगठन के प्रारूप का चयन—विचारणीय घटक; II. संगठन के विभिन्न प्रारूपों की उपयुक्तता; III. व्यवसाय का प्रारम्भ—मूल घटक।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न। Typology of Questions। प्रोजेक्ट कार्य।]

इकाई 3 : निजी, सार्वजनिक एवं सार्वभौमिक उपक्रम

[Unit 3 : Private, Public and Global Enterprises]

10. निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र/उपक्रम 164—177

[Private and Public Sector/Enterprises]

[I. सार्वजनिक क्षेत्र अथवा सार्वजनिक उपक्रम—(I) अर्थ एवं परिभाषाएँ; (II) आवश्यकता; (III) लक्षण अथवा विशेषताएँ; (IV) उद्देश्य; (V) सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका; (VI) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के गुण-दोष; (VII) सार्वजनिक उपक्रमों के प्रारूप एवं (VIII) सार्वजनिक उपक्रम का भविष्य। II. निजी क्षेत्र—(I) अर्थ एवं परिभाषाएँ; (II) निजी क्षेत्र के लक्षण अथवा विशेषताएँ; (III) निजी क्षेत्र की भूमिका अथवा महत्व अथवा लाभ अथवा गुण; (IV) निजी क्षेत्र के अवगुण। III. मिश्रित क्षेत्र एवं IV. निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र में अन्तर।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न। Typology of Questions। प्रोजेक्ट कार्य।]

11. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को संगठित करने के प्रारूप तथा सार्वजनिक क्षेत्र की बदलती हुई भूमिका 178—193

[Forms of Organising Public Sector Enterprises and Changing Role of Public Sector]

[I. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रारूप/प्रकार—(I) विभागीय उपक्रम—अर्थ, प्रमुख लक्षण, गुण एवं दोष; (II) लोक अथवा वैधानिक निगम अथवा सार्वजनिक निगम—अर्थ एवं परिभाषाएँ, विशेषताएँ, प्रारूप, गुण, अवगुण तथा वैधानिक निगमों को सफल बनाने के लिये सुझाव; (III) सरकारी कम्पनी—अर्थ एवं परिभाषा, लक्षण, गुण व अवगुण; (IV) बोर्ड द्वारा प्रबन्धित राजकीय उपक्रम—अर्थ एवं उदाहरण; (V) मिश्रित स्वामित्व वाले निगम—अर्थ एवं विशेषताएँ; II. सार्वजनिक उपक्रम के विभिन्न प्रारूपों के मध्य अन्तर। III. सार्वजनिक क्षेत्र का बदलता हुआ योगदान अथवा भूमिका—सार्वजनिक क्षेत्र की भावी भूमिका; सार्वजनिक उपक्रमों के सम्बन्ध में नीति परिवर्तन।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

I Typology of Questions I **प्रोजेक्ट कार्य I**]

12. **भूमण्डलीय उपक्रम (बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ) संयुक्त उपक्रम एवं सार्वजनिक-निजी साझेदारी** 194—204

[Global Enterprises (Multinational Companies) Joint Venture and Public Private Partnership]

[I. **भूमण्डलीय उपक्रम की अवधारणा एवं अर्थ;** II. **भूमण्डलीय उपक्रम की परिभाषाएँ;** III. **भूमण्डलीय उपक्रम के लक्षण अथवा विशेषताएँ;** IV. **भूमण्डलीय उपक्रम का मूल्यांकन—गुण एवं अवगुण;** V. **भारत में भूमण्डलीय उपक्रम और उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएँ,** VI. **बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की विचारधारा;** VII. **संयुक्त उपक्रम—अर्थ, लाभ एवं प्रकार;** VIII. **सार्वजनिक निजी साझेदारी—अर्थ एवं विशेषताएँ I** I Question-Answer Box I **आपने इस अध्याय में जो सीखा I उपयोगी प्रश्न I** Typology of Questions I **प्रोजेक्ट कार्य I**]

इकाई 4 : व्यावसायिक सेवाएँ

[Unit 4 : Business Services]

13. **व्यावसायिक सेवाएँ–I बैंकिंग** 205—224

[Business Services-I Banking]

[I. **व्यावसायिक सेवा का अर्थ;** II. **व्यावसायिक सेवा की प्रकृति;** III. **व्यावसायिक सेवाओं के प्रकार—**1. **बैंकिंग सेवाएँ,** 2. **बीमा सेवाएँ,** 3. **सन्देशवाहन सेवाएँ,** 4. **भण्डारण सेवाएँ एवं** 5. **परिवहन सेवाएँ,** IV. **बैंकिंग सेवाएँ—**(a) **बैंक का अर्थ एवं परिभाषाएँ,** (b) **बैंकों के प्रकार एवं** (c) **व्यापारिक बैंकों के कार्य;** V. **ई-बैंकिंग का अर्थ, कार्य एवं लाभ;** VI. **चालू खाता, बचत खाता तथा स्थायी जमा खाते का तुलनात्मक अध्ययन I** I Question-Answer Box I **आपने इस अध्याय में जो सीखा I उपयोगी प्रश्न I** Typology of Questions I **प्रोजेक्ट कार्य I**]

14. **व्यावसायिक सेवाएँ–II बीमा** 225—252

[Business Services-II Insurance]

[I. **बीमा का अर्थ एवं परिभाषाएँ;** II. **बीमा अनुबन्ध की विशेषताएँ;** III. **बीमा के सिद्धान्त;** IV. **बीमा के प्रकार—जीवन बीमा, अग्नि बीमा, सामुद्रिक बीमा एवं विविध बीमा तथा स्वास्थ्य बीमा;** (I) **जीवन बीमा—अर्थ एवं विशेषताएँ, क्या जीवन बीमा क्षतिपूर्ति का अनुबन्ध है? जीवन बीमा कराने की प्रक्रिया एवं जीवन बीमा-पत्र के प्रकार;** (II) **अग्नि बीमा—अर्थ एवं परिभाषा, प्रकृति, विशेषताएँ अथवा लक्षण एवं अग्नि बीमा-पत्र के प्रकार,** (III) **सामुद्रिक बीमा—अर्थ एवं सामुद्रिक बीमा की विषय-वस्तु, सामुद्रिक बीमा-पत्र की विशेषताएँ, सामुद्रिक बीमा-पत्र के प्रकार,** (IV) **विविध बीमा एवं स्वास्थ्य बीमा—अर्थ एवं प्रकार,** V. **जीवन बीमा, अग्नि बीमा तथा सामुद्रिक बीमा में अन्तर,** VI. **दोहरा बीमा,** VII. **पुनर्बीमा,** VIII. **बीमा की उपयोगिता अथवा लाभ I** I Question-Answer Box I **आपने इस अध्याय में जो सीखा I उपयोगी प्रश्न I** Typology of Questions I **प्रोजेक्ट कार्य I**]

15. **व्यावसायिक सेवाएँ–III सन्देशवाहन : डाक व तार सेवाएँ** 253—270

[Business Services-III Communication : Postal and Telecom]

[I. **सन्देशवाहन का अर्थ;** II. **सन्देशवाहन के माध्यम/साधन—**(I) **परम्परागत माध्यम—डाक व तार सेवाएँ,** (II) **आधुनिक माध्यम—**(1) **कोरियर सेवाएँ,** (2) **मोबाइल सेवा एवं** (3) **आधुनिक प्रवृत्तियाँ—(अ) फैक्स, (ब) इंटरनेट, (स) ई-मेल I** (III) **अन्य टेलीकॉम सेवाएँ, सैल्युलर मोबाइल सेवाएँ, रेडियो पेजर सेवाएँ, स्थायी लाइन सेवाएँ,**

अध्याय पृष्ठ-संख्या

केबल सेवाएँ वेरी स्माल अपरचर टर्मिनल सेवाएँ एवं डाइरेक्ट टू होम सेवाएँ।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न। Typology of Questions। प्रोजेक्ट कार्य।]

16. व्यावसायिक सेवाएँ–IV भण्डारण/संग्रहण 271—280

[Business Services-IV Warehousing]

[I. भण्डारण–अर्थ एवं परिभाषा; II. आदर्श भण्डारगृह के लक्षण; III. भण्डारगृह के कार्य; IV. भाण्डागृहों के प्रकार; V. भण्डारगृहों के लाभ अथवा उपयोगिता एवं VI. भारतवर्ष में भण्डारगृह।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न। Typology of Questions। प्रोजेक्ट कार्य।]

इकाई 5 : व्यवसाय के नवोदित माध्यम

[Unit 5 : Emerging Modes of Business]

17. ई–बिजनैस तथा बाह्यकरण सेवाएँ 281—300

[E-business and Outsourcing Services]

[I. ई–बिजनैस–अर्थ, अवधारणा, ई–बिजनैस की कार्य–प्रणाली अथवा ई–बिजनैस कैसे काम करती है, ई–बिजनैस का क्षेत्र तथा परम्परागत एवं ई–बिजनैस में अन्तर; II. ई–कॉमर्स, अर्थ एवं परिभाषाएँ, प्रादुर्भाव, क्षेत्र/अवसर, लाभ, ई–बिजनैस के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संसाधन, व्यावसायिक लेन–देनों की सुरक्षा, ई–बिजनैस से लेन–देन की सुरक्षा के उपाय, ई–बिजनैस व्यवसाय में भुगतान तन्त्र–ऑन–लाइन लेन–देन, ऑन–लाइन वितरण का उदाहरण एवं बिक्री उपरान्त सेवा, ई–बिजनैस के विकास/विस्तार में बाधाएँ एवं भारत में ई–कॉमर्स का भविष्य; III. सेवाओं का बाह्यकरण–अवधारणा, प्रकृति, आवश्यकता, महत्व अथवा लाभ, सेवाओं के बाह्यकरण के प्रकार–(1) वित्तीय सेवाएँ, (2) विज्ञापन सेवाएँ, (3) कोरियर सेवाएँ, (4) ग्राहक सहायता सेवाएँ; IV. बी. पी. ओ. (Business Processing Outsourcing) अथवा कॉल सेन्टर (Call Centre) V. ज्ञान प्रक्रिया बाह्यकरण (KPO)।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न। Typology of Questions। प्रोजेक्ट कार्य।]

इकाई 6 : व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नैतिकता

[Unit 6 : Social Responsibility of Business and Business Ethics]

18. व्यवसाय का सामाजिक उत्तरदायित्व एवं व्यावसायिक नीतिशास्त्र 301—322

[Social Responsibility of Business and Business Ethics]

[I. सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा–अर्थ एवं परिभाषाएँ; II. व्यवसाय के सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा के लक्षण अथवा विशेषताएँ; III. सामाजिक उत्तरदायित्व विवाद–पक्ष एवं विपक्ष में तर्क; IV. व्यवसाय का विभिन्न पक्षकारों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व; V. व्यवसाय एवं पर्यावरण संरक्षण–आवश्यकता एवं कारण; VI. पर्यावरण प्रदूषण का व्यवसाय पर प्रभाव; VII. व्यावसायिक नीतिशास्त्र–अवधारणा एवं तत्व, अर्थ, परिभाषाएँ, प्रकार, VIII. सामाजिक मूल्य तथा व्यावसायिक नैतिकता।। Question-Answer Box। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न। Typology of Questions। प्रोजेक्ट कार्य।]

भाग 'ब' : निगमित संगठन, वित्त एवं व्यापार

(Part B : Corporate Organisation, Finance and Trade)

इकाई 7 : व्यावसायिक वित्त के स्त्रोत

[Unit 7 : Sources of Business Finance]

अध्याय **पृष्ठ-संख्या**

19. **व्यावसायिक वित्त के स्रोत** 323—347

[Sources of Business Finance]

[I. **व्यावसायिक वित्त का अर्थ एवं परिभाषाएँ;** II. **व्यावसायिक वित्त की प्रकृति/विशेषताएँ;** III. **व्यावसायिक वित्त की आवश्यकता एवं महत्ता;** IV. **व्यावसायिक वित्त के प्रकार—** (I) **दीर्घकालीन वित्त,** (II) **मध्यकालीन वित्त एवं** (III) **अल्पकालीन वित्त;** V. **व्यावसायिक वित्त के स्रोत अथवा साधन—**(I) **स्वामित्व कोष एवं** (II) **ऋण कोष;** VI. **विशिष्ट वित्तीय संस्थाएँ/संस्थागत वित्त—उद्देश्य, लाभ, वित्तीय संस्थाओं के द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता के प्रकार एवं विशिष्ट वित्तीय संस्थान—एक नजर में;** VII. **अन्तः कम्पनी जमाएँ तथा** VIII. **वित्त के राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्रोत—**(I) **सार्वभौमिक जमाकर्ता प्राप्ति,** (II) **अमरीकन जमाकर्ता रसीद** (III) **विदेशी प्रत्यक्ष निवेश एवं** (IV) **भारतीय डिपॉजिटरी रसीद।।** Question-Answer Box **। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न।** Typology of Questions **। प्रोजेक्ट कार्य ।**]

इकाई 8 : लघु व्यवसाय

[Unit 8 : Small Business]

20. **लघु व्यवसाय** 348—364

[Small Business]

[I. **लघु उद्योग—कुटीर एवं लघु उद्योगों का अर्थ, उद्योगों का वर्गीकरण, लघु उद्योगों की विशेषताएँ, लघु उद्योग स्थापना क्षेत्र, कुटीर एवं लघु उद्योगों में अन्तर, लघु उद्योगों की भूमिका एवं महत्व ग्रामीण भारत, लघु उद्योगों की समस्याएँ, लघु उद्योगों के सुधार के उपाय, लघु उद्योगों के लिए नीति, लघु उद्योगों के विकास के लिए सरकारी प्रयत्न;** II. **भारत में लघु उद्योगों की भूमिका अथवा लघु व्यवसाय स्थापित करने की सम्भावनाएँ—लघु व्यावसायिक उपक्रमों की स्थापना में योगदान, सरकार द्वारा लघु एवं कुटीर उद्योगों को सहायता एवं प्रोत्साहन,** III. **लघु व्यवसायों के लिए संस्थागत वित्त (भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक** (SIDBI)), **भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के उद्देश्य, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक की भूमिका एवं कार्य;** IV. **ग्रामीण, पिछड़े एवं पहाड़ी क्षेत्रों के उद्योगों को विशिष्ट वित्तीय सहायता।।** Question-Answer Box **। आपने इस अध्याय में जो सीखा। उपयोगी प्रश्न।** Typology of Questions **। प्रोजेक्ट कार्य ।**]

इकाई 9 : आन्तरिक व्यापार

[Unit 9 : Internal Trade]

21. **आन्तरिक व्यापार** 365—407

[Internal Trade]

[I. **आन्तरिक व्यापार—अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ;** II. **आन्तरिक व्यापार के भेद—**(I) **व्यापार के सम्बन्धों के आधार पर,** (II) **व्यापार की मात्रा के आधार पर, एवं** (III) **व्यापार के क्षेत्र के आधार पर; आन्तरिक व्यापार में प्रयोग होने वाले प्रपत्र—बीजक, सूचनार्थ बीजक डेबिट व क्रेडिट नोट लौरी व रेलवे रसीद। व्यापारिक मदें-सुपुर्दगी पर नकद जहाज पर मूल्य, लागत बीमा भाड़ा सहित मूल्य एवं भूल-चूक लेनी-देनी,** III. **थोक व्यापारी-अर्थ, परिभाषाएँ, विशेषताएँ, कार्य एवं**